भजन

तर्ज.....मेरा प्यार भी तू है

तेरे प्यार में डूबी, रूहों की ये खूबी

वो तेरा दीदार ही चाहें, बैठी चरणों तले, मेहरों तले

1) खुशबू तेरे मीठे प्यार की, दिल रूहों के सदा महकती

सुध न रहे कुछ तन की उनकी सांसे भी तेरे नाम से चलती

बिन तेरे हैं तड़पती,तेरे प्यार में.....

2) दिल में विरह के सागर में कई विध के तूफान हैं उठते

जग ये सारा लगे दुखदाई जैसे अग्नि की हो लपटें

आंखों से आंसू छलकें, तेरे प्यार में.....

3) अपने बस की बात नहीं है दिल इनके पिया गुण तेरे खींचे

सही ना जाए तेरी जुदाई जैसे मछली जल बिन तड़पे

कौन पीर ये समझे, तेरे प्यार में.....

4) चरण ये सुंदर नूर जमाल के प्राणों के जीवन कहलाते.

बिन दीदार के रह न सकें वो जिनकी निस्बत उनकी बाते

मोमिन ये ही कहलाते, तेरे प्यार में .....